थायरोक्सिन (थाइरोइड हॉर्मोन) दवाई शिशु को देने की पद्धति

(Contributed by Dr Ganesh Jevalikar, Medanta Medicity Hospital, Gurugram)

१. कंजेनिटल हाइपोथायरायडिज्म (थाइरोइड हॉर्मोन की जन्मजात कमी) में थायरोक्सिन दवाई लेना बच्चे के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यावश्यक है।

२. दवाई की सही खुराक चिकित्सक की सलाह से ले। समय-समय पर TSH या T4 की जांच से इसकी सही डोस का पता चलता है।

३. थायरोक्सिन केवल गोली के रुप में उपलब्ध है और इसका कोई सिरप नहीं होता है।

४. गोली कों बच्चों की पहोंच से दूर व धूप से बचाके रखें।

५. यह गोली दिन में एक बार (अक्सर सुबह) दी जाती है।यह ध्यान रहे की दवाई देने का समय व तरीका रोज लगभग एक समान हो ।

६. एक साफ कटोरी में ५-१० मिली माँ का दूध (छह माह से कम आयु) या पानी (छह माह पश्चात) लेकर गोली को भिगोयें और मसलें। यह घोल चम्मच या ड्रॉपर सें बच्चे को दें। कटोरी में बची दवाई को थोडा और दूध डालकर दें ताकि बच्चे को पूरी खुराक मिले।

७. दवाई को फीडिंग बोतल में न डालें। इसे चम्मच या मूसल सें या कागज में रखकर ना पीसें, इससे दवाई जाया होने की सम्भावना है ।

८. दवाई रोज दें। खासकर बीमारी, शादीब्याह या त्योहारों में डोस न छूटे इसका ध्यान अवश्य दें। अगर आप सुबह डोस देना भूल गए है तो इसे दिन में या अगले दिन भी दिया जा सकता है। परंतु कोशिश करें की इसकी नौबत ज्यादा न पड़े।

९. नियमित रूप से दवाई देने के लिए पिल बॉक्स या केलिन्डर पे टिक लगाने जैसे किसी तरीके का इस्तेमाल अक्सर फायदेमंद होता है।

१०. अगर आयरन या विटामिन की कोई दवाई चल रही है तो डॉक्टर को बतायें, इन्हें थायरोक्सिन के ३-४ घंटे के बाद ही लें।

याद रखें, थायरोक्सिन सही मात्रामें व सही तरीके से देने पर, कंजेनिटल हाइपोथायरायडिज्म से प्रभावित बच्चे शारीरिक व मानसिक तौर पर पूरी तरह से तंदुरुस्त रह सकते है I

INSTRUCTIONS FOR ADMINISTERING THYROXINE (THYROID HORMONE) TO INFANTS

(Contributed by Dr Ganesh Jevalikar, Medanta Medicity Hospital, Gurugram)

1. Thyroxine administration is essential to ensure normal physical and mental growth of babies with congenital hypothyroidism (deficiency of thyroid hormones since birth).
2. Give the dose of the medicine as advised by the doctor. Blood tests for TSH and T4 are periodically necessary and serve as a guide to know the correct dose.
3. Thyroxine is only available as a tablet and no liquid preparations are available.
4. Keep the tablets away from the reach of young children and avoid exposure to sunlight.
5. The tablet is given once daily (usually in morning). The medication time and technique should be uniform from one day to the next.
6. Take 5-10 ml of breast milk (for children below 6 months) or water (after 6 months of age) in a small clean cup or *katori*. Soak and crush the tablet and administer this suspension directly with a spoon or dropper. Then again mix the small amount of remaining medication with a little milk or water and administer again.
7. Do not add the medicine to a feeding bottle. Do not crush the tablet with a spoon or a pestle either directly or in a paper. This is likely to lead to loss of medicine and incomplete dose.
8. The medicine needs to be given daily. Special attention should be paid during illness, festivals, functions or travel so as not to miss a dose. If you forget to give the medicine in morning, you can still give it later in the day or even the next day.
9. To ensure daily administration, techniques like use of a pill box or marking on a calendar can be used.
10. If iron or vitamin supplements are being given, please inform your doctor of the same. These should be given after 3-4 hours of thyroxine.

Remember that thyroxine treatment taken in the right dose and with correct technique can ensure completely normal physical and mental growth of a child with congenital hypothyroidism.